संख्या-277/2022/आई/162795/41-1002(002)/2/2021

प्रेषक,

गिरिजापति द्विवेदी,
उप सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
पर्यटन, उ0प्र0
लखनऊ।

पर्यटन अनुभाग लखनऊ:: दिनांक 05 मई, 2022

विषयः- वित्तीय वर्ष 2022-23 में ट्रैवेल-ट्रेड गतिविधियों के आयोजन हेतु प्रथम चार माह के लिए विभिन्न लेखाशीर्षों के अन्तर्गत लेखानुदान की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक पर्यटन निदेशालय के पत्र सं0-390/15-1-838(25)/ट्रै0ट्रे0/2021, दिनांक 21.04.2022 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आपके उल्लिखित प्रस्ताव के क्रम में वित्तीय वर्ष 2022-23 में ट्रैवेल-ट्रेड गतिविधियों के आयोजन हेतु प्रथम चार माह के लिए विभिन्न लेखाशीर्षों/उपशीर्षों में प्रावधानित धनराशि को निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित लेखाशीर्ष/मानक मद में उनके सम्मुख स्तम्भ-3 में प्रावधानित धनराशि के सापेक्ष-4 में अंकित धनराशि को व्यय किये जाने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि लाख में)

क्र0	मद/उपशीर्षक	प्रावधानित धनराशि	वित्तीय वर्ष 2022-23 के प्रथम चार माह के लिए स्वीकृत लेखानुदान के सापेक्ष निवर्तन पर रखी जाने वाली धनराशि
1.	1.	2.	3.
1.	लेखा शीर्षक 3452-पर्यटन-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-12-मेले/महोत्सवों के आयोजन हेतु-20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	1500.00	500.00
2.	लेखा शीर्षक 3452-पर्यटन-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-03-पर्यटन सूचना एवं प्रसार-22-आतिथ्य व्यय/व्यय विषयक भत्ता आदि	5.00	01.66
3.	लेखा शीर्षक 3452-पर्यटन-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-16-मथुरा में उत्सवों का आयोजन-42-अन्य व्यय	500.00	166.66
4.	लेखा शीर्षक 3452-पर्यटन-80-सामान्य-104-संवर्धन तथा प्रचार-09-रामायण कान्क्लेव का आयोजन-42-अन्य व्यय	300.00	100.00
5.	लेखा शीर्षक 3452-पर्यटन-80-सामान्य-104-संवर्धन	100.00	03.33

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

	तथा प्रचार-05-वाराणसी में बुद्धिस्ट कान्क्लेव का आयोजन-42-अन्य व्यय		
6.	लेखा शीर्षक 3452-पर्यटन-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-14- पर्यटन नीति 2018 के अंतर्गत पर्यटन इकाईयों को प्रोत्साहन-20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	4500.00	1500.00
7.	लेखा शीर्ष-3452-पर्यटन-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-15-अयोध्या में दीपोत्सव का आयोजन-42- अन्य व्यय	500.00	166.66
8.	लेखा शीर्ष-3452-पर्यटन-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-05-मगहर महोत्सव का आयोजन-20-सहायता अनुदान- सामान्य (गैर वेतन)	40.00	13.33
9.	लेखा शीर्ष-3452-पर्यटन-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-06-वाजिद अली शाह महोत्सव का आयोजन-20-सहायता अनुदान- सामान्य (गैर वेतन)	35.00	11.66
10.	लेखा शीर्ष-3452-पर्यटन-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-09- जनपद प्रतापगढ़ में घुइसरनाथ धाम में राष्ट्रीय एकता महोत्सव का आयोजन-20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	15.00	05.00

(1) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-15/2021/बी-1-829/दस-2021-231/2022 , दिनांक 30.12.2021 में निहित शर्तों एवं प्राविधानों के अन्तर्गत ही सुनिश्चित किया जायेगा तथा निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि जिस कार्य/मद हेतु प्रदान की जा रही है उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्यमद हेतु किया जायेगा, अर्थात स्वीकृत धनराशि का व्यय किसी अन्य मद/प्रयोजन हेतु नहीं किया जायेगा। विभिन्न मदों में स्वीकृत धनराशि का व्यावर्तन तथा पुनर्विनियोजन शासन की पूर्व अनुमति से ही किया जायेगा।

(2) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का आवंटन मात्र किसी प्रकार के व्यय करने का प्राधिकार नही देता है। अत: जिन मामलों में उ0प्र0 बजट मैनुअल और वित्तीय नियम संग्रह तथा स्थायी आदेशों के अन्तर्गत राज्य सरकार/केन्द्र सरकार अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक हो, उन मामलों में धनराशि व्यय करने के पूर्व अनिवार्य रूप से मदवार व्यय विवरण शासन को उपलब्ध कराते हुए सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात ही व्यय सुनिश्चित किया जाय।

(3) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि में से नियमानुसार व्यय किये जाने हेतु आवश्यक धनराशि को कोषागार से आहरित कर आहरण के बाउचर संख्या एवं तिथि की सूचना शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के समक्ष किये गये व्यय पर नियंत्रण के सम्बन्ध में शासनादेश सं0-बी-1-1195/दस-16/94, दिनांक 06 जून, 1994 द्वारा निर्गत निर्देशों का कड़ाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

(4) व्यय प्रबन्धन एवं शासकीय व्यय में मितव्ययिता के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों का विशेष रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ-साथ राजकीय धन व्यय करने में उ0प्र0 बजट मैनुअल के प्रस्तर-12 में दी गयी शर्तों की पूर्ति तथा वित्तीय औचित्य के मानकों (स्टैण्डर्स आफ फाइनेन्शियल प्रोप्राइटी) का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाय।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

(5) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के सापेक्ष एकमुश्त आहरण न किया जाय। विभाग के कार्य की प्रकृति एवं आवश्यकता के अनुसार सम्भावित व्यय की फेजिंग की जाय तथा यथासंभव व्यय की फेजिंग वित्तीय वर्ष की अवधि के लिए समान रूप से ही की जाय।

(6) उपर्युक्तानुसार सम्बन्धित मद में निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि व्यय किये जाने के पूर्व इन मदों के अन्तर्गत पूर्व वर्षों में कराये गये कार्यों का कार्यवार विवरण प्रस्तुत किया जायेगा तथा उस पर सक्षम स्तर से नियमानुसार अनुमोदन प्राप्त होने की पुष्टि कर ली जायेगी एवं तदुपरान्त भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करते हुए संगत वित्तीय नियमों के परिप्रेक्ष्य में क्रमवार अवशेष भुगतान किया जायेगा। वित्तीय वर्ष 2022-23 में इन मदों के सापेक्ष प्रस्तावित कार्य योजना बजट की उपलब्धता के अनुसार ही तैयार किया जायेगा और यदि अपरिहार्य स्थितियों में बजट की सीमा से अधिक व्यय का अनुमान हो तो संगत नियमों के अन्तर्गत औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराते हुए अनिवार्य रूप से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जायेगा।

(7) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय सुनिश्चित करने के पूर्व महालेखाकार एवं आन्तरिक लेखा परीक्षा के रिपोर्टों/प्रतिवेदनों/आपत्तियों को अनिवार्य रूप से दृष्टिगत रखते हुए उनका समाधान करने के पश्चात ही नियमानुसार व्यय सुनिश्चित किया जायेगा।

भवदीय,

(गिरिजापति द्विवेदी)
उप सचिव।

संख्या एवं दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0 प्र0, प्रयागराज।
2. महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0 प्र0, प्रयागराज।
3. सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा संयुक्त निदेशक, पर्यटन।
4. मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ द्वारा संयुक्त निदेशक, पर्यटन।।
5. संयुक्त निदेशक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
6. वित्त नियंत्रक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ द्वारा संयुक्त निदेशक, पर्यटन।
7. सम्बन्धित वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी द्वारा संयुक्त निदेशक, पर्यटन।
8. सम्बन्धित उप निदेशक, पर्यटन/क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी द्वारा संयुक्त निदेशक, पर्यटन।
9. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-7, उ0 प्र0 शासन, लखनऊ।
10. वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1/2, उ0 प्र0 शासन, लखनऊ।
11. वेब अधिकारी, पर्यटन विभाग।
12. गार्ड-फाइल।

आज्ञा से,

(गिरिजापति द्विवेदी)
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in